RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 25 NOVEMBER TO 01 DECEMBER 2020 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 14 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

हिंडाल्को को मिली दुनिया की सबसे सस्टेनेबल एल्युमिनियम कम्पनी होने की रैंक Page 2

45 हजार रुपये से नीचे भी जा सकता है सोना, जानें क्यूं गिर रहे हैं दाम Page 5

Honda City हैचबैक से उठा पर्दा, धांसू लुक के साथ पावरफुल परफॉर्मेंस Page 7

editoria!

काम देने लायक छात्र

फ्रांसीसी मानव संसाधन कंसल्टेंसी ग्रुप इमर्जिंग और अंतरराष्ट्रीय पत्रिका टाइम्स हाइअर एजुकेशन द्वारा जारी ग्लोबल एम्प्लॉयेबिलिटी रैंकिंग एंड सर्वे 2020 भारत के लिए राहत की खबर लेकर आया है। इस रैंकिंग में भारत ने न केवल अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 15वां स्थान हासिल किया है बल्कि रोजगार के लिए पूरी तरह तैयार युवा देने के मामले में देश का अव्वल संस्थान आईआईटी दिल्ली पिछले साल के 54वें स्थान से लंबी छलांग लगाते हुए 27वें स्थान पर आ गया है। विभिन्न देशों की यूनिवर्सिटियों के प्रदर्शन के आधार पर तैयार की गई विस्तृत रिपोर्ट में भारत का 15वां स्थान 2010 में हासिल 23वें स्थान के मुकाबले एक उपलब्धि है। स्वाभाविक ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्वीट करके इस पर खुशी जताई है। हालांकि आईआईएससी बेंगलुरु पिछले साल के 43वें स्थान से लुढ़ककर 71वें स्थान पर आ गया है, लेकिन टॉप यूनिवर्सिटियों की लिस्ट में पांच भारतीय विश्वविद्यालय शामिल हैं जिनमें ऊपर बताए गए दोनों संस्थाओं के अलावा आईआईटी बॉम्बे, एमिटी यूनिवर्सिटी और आईआईटी खड़गपुर का भी नाम है। यह रैंकिंग 22 देशों के 8000 नियुक्तिकर्ता मैनेजरों से बातचीत के आधार पर तैयार की गई है। मतलब यह हुआ कि हमारी टॉप की यूनिवर्सिटियों से निकले युवाओं को वैश्विक स्तर पर सीधे काम देने लायक माना जाता है और इस मोर्चे पर हमारी स्थिति बेहतर हो रही है। लेकिन टॉप की पांच या दस यूनिवर्सिटियों की चमक देश के बाकी उच्च शिक्षा संस्थानों की हालत को छुपा नहीं सकती, न ही उच्च शिक्षा की दशा सुधारने की जरूरत इससे किसी भी रूप में कम होती है। इंजीनियरिंग की ही बात करें तो आईआईटी दिल्ली और बॉम्बे के इंजीनियर अपनी जगह हैं लेकिन पूरे देश में छह हजार से ज्यादा इंजीनियरिंग कॉलेज और संस्थान हैं जिनसे हर साल औसतन करीब 15 लाख इंजीनियर निकलते हैं। जानकारों के मुताबिक डिग्री हासिल कर लेने के बावजूद अपने क्षेत्र में इनकी कुशलता इतनी कम होती है कि इनमें से महज 20 फीसदी को ही डिग्री के अनुरूप काम मिल पाता है। यही वजह है कि लंबे समय से देश में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का स्तर ऊपर उठाने और इनके पाठ्यक्रमों को इंडस्ट्री की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुरूप समायोजित करने की जरूरत बताई जाती रही है। गैर तकनीकी उच्च शिक्षा में स्थितियां और खराब हैं। शिक्षकों की कमी से लेकर समय पर सत्र पूरा न होने तक ऐसी समस्याओं और शिकायतों की लंबी फेहरिस्त है जिस पर ध्यान देने की फुरसत कोई सरकार नहीं निकाल पा रही। ऐसे में ग्लोबल एम्प्लॉयेबिलिटी रैंकिंग में सुधार हमारे लिए खुशी मनाने से ज्यादा यह याद करने का मौका होना चाहिए कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में हमारे ज्यादातर संस्थानों की हालत कितनी खस्ता है और तत्काल प्रभाव से कितना कुछ करने की जरूरत है।

महंगे पेट्रोल और डीजल के लिए रहें तैयार!

तेजी से बढ़ रहे कच्चे तेल के भाव

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

महंगे पेट्रोल-डीजल की मार झेल रहे ग्राहकों को और जेब ढीली करनी पड़ सकती है। आने वाले दिनों में तेल की कीमतों में इजाफा संभव है। इंटरनेशनल मार्केट में क्रूड के भाव तेजी से बढ़ रहे हैं। आज के कारोबार में क्रूड 48 डॉलर प्रति बैरल का स्तर पार कर गया है। एक्सपर्ट मान रहे हैं कि क्रूड में आई हालिया तेजी आगे भी जारी रहने वाली है। शॉर्ट टर्म में क्रूड 50 डॉलर प्रति बैरल का भाव जल्द पार कर जाएगा। इंटरनेशनल एजेंसियों का मानना है कि 2021 में ब्रेंट क्रूड 60 डॉलर तक का भाव दिखा सकता है।

नवंबर में 12 डॉलर हुआ महंगा

नवंबर में अबतक इसके भाव में 12 डॉलर प्रति बैरल की तेजी आ चुकी है। 30 अक्टूबर को ब्रेंट क्रूड 36.8 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं, अब यह बढ़कर 48.75 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। वहीं, इस साल 22 अप्रैल के लो से देखें तो इसमें 32 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा बढ़ोत्तरी हुई है। कोविड 19 में लॉकडाउन के चलते मांग घटने से 22 अप्रैल को क्रूड 16 डॉलर के आस पास आ गया था।

पेट्रोल, डीजल के बढ़ सकते हैं भाव

पेट्रोल और डीजल के भाव सीधे तौर पर कच्चे तेल से जुड़े हुए हैं। भारत अपनी जरूरतों का 80 फीसदी से ज्यादा क्रूड दूसरे देशों से खरीदता है। ऐसे में क्रूड लंबे समय तक महंगा बना रहा तो भारत को नई खेप के लिए भी ज्यादा कीमत चुकानी होगी। ऐसे में घरेलू बास्केट में भी क्रूड महंगा होगा, जिससे तेल कंपनियां पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ा सकती हैं। बता दें कि क्रूड सस्ता होने के बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल के भाव नहीं घटे। देश के कुछ राज्यों में पेट्रोल 90 रुपए प्रति लीटर तक बिक रहा है।

क्रूड मार्केट की सुधर रही है कंडीशन

बैंक आफ अमेरिका (BofA) का मानना है कि कोविड-19 की वैक्सीन जल्द आने की उम्मीद में अब क्रूड मार्केअ की कंडीशन में सुधार हो रहा है। वहीं ओपेक देशों द्वारा प्रोडक्शन कट कम करने का भी असर दिख रहा है। असल में कोविड-19 की वैक्सीन आने की उम्मीद में अब क्रूड की डिमांड बढ़ी है। वैक्सीन आने और कोरोना का डर कम होने से अर्थव्यवस्था के मजबूत होने की उम्मीद है। इस उम्मीद में क्रूड की मांग बढ़ेगी। इस बात से क्रूड को लेकर सेंटीमेंट सुधर रहे हैं।

1 दिसंबर से पैसों का लेनदेन करना होगा और भी आसान, बदल जाएंगे ये 4 नियम

नई दिल्ली। 1 दिसंबर 2020 से आम आदमी की जिंदगी से जुड़े कई तरह के बदलाव होने जा रहे हैं। इसमें RTGS, रेलवे और गैस सिलेंडर से जुड़े कई नियम चेंज हो जाएंगे, जिसका सीधा असर आपकी जिंदगी पर पड़ने वाला है। बता दें कि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) को लेकर नियम में बदलाव किया है। ये नियम कैश ट्रांसफर से जुड़े हैं। इसके अलावा सरकारी तेल कंपनियां हर महीने गैस के रेट्स अपडेट करती हैं। आइए चेक करें ये नियम-

RTGS सुविधा का फायदा

साल के आखिरी महीने यानी दिसंबर से आपका बैंक पैसों के लेन-देन से जुड़े इस नियम बदलाव करने जा रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (RTGS) को 24x7x365 उपलब्ध करने का ऐलान किया था। यह फैसला दिसंबर 2020 से लागू होगा। मतलब सीधा है कि अब आप RTGS के माध्यम से चौबीसों घंटे मनी ट्रांसफर कर सकेंगे। वर्तमान में RTGS सिस्टम महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छोड़कर हफ्ते के सभी कामकाजी दिनों में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक उपलब्ध होता है।

प्रीमियम में कर सकेंगे बदलाव

अब 5 साल के बाद बीमाधारक प्रीमियम की रकम को 50 फीसदी तक घटा सकता है। यानि वह आधी किस्त के साथ भी पॉलिसी जारी रख पाएगा।

1 दिसंबर से चलाई जाएंगी कई नई ट्रेनें

आपको बता दें इंडियन रेलवे 1 दिसंबर से कई नई ट्रेनें चलाने जा रहा है. बता दें कोरोना संकट के बाद से रेलवे लगातार कई नई स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। अब 1 दिसंबर से भी कुछ ट्रेनों का परिचालन शुरू होने जा रहा है। इसमें झेलम एक्सप्रेस और पंजाब मेल दोनों शामिल हैं। दोनों ट्रेनों को सामान्य श्रेणी के तहत चलाया जा रहा है। 01077/78 पुणे-जम्मूतवी पुणे झेलम स्पेशल और 02137/38 मुम्बई फिरोजपुर पंजाब मेल स्पेशल प्रतिदिन चलेंगी।

बदल जाएंगी रसोई गैस की कीमतें

हर महीने की पहली तारीख को सरकार रसोई गैस यानी LPG सिलेंडरों के दामों की समीक्षा करती है। यानी 1 दिसंबर को भी देशभर में रसोई गैस के दाम बदलेंगे। पिछले महीनों से इन दामों में कोई बदलाव नहीं आया है।

हिंडाल्को को मिली दुनिया की सबसे सस्टेनेबल एल्युमिनियम कम्पनी होने की रैंक

डाऊ जोंस सस्टेनेबिलिटी की 2020 सूची में मिला यह स्थान

मुम्बई। आईपीटी नेटवर्क

आदित्य बिरला समूह की मैटल फ्लैगशिप, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सस्टैंनबिलिटी के लिए किए गए इसके प्रदर्शन हेतु एल्युमिनियम इंडस्ट्री लीडर की रैंक प्रदान की गई है। यह रैंक एस एंड पी डाऊ जोंस सस्टैंनबिलिटी सूची (डीजेएसआई) कॉरपोरेट सस्टैंनबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) के 2020 एडिशन के अंतर्गत प्रदान की गई है। भारत से हिंडाल्को एकमात्र ऐसी कम्पनी है जिसे इस वर्ष इंडस्ट्री लीडर के तौर पर पहचान प्राप्त हुई है। उल्लेखनीय है कि इंडस्ट्री लीडर कम्पनियों के अंतर्गत वे कम्पनियां आती हैं जिन्हें डीजेएसआई में उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली 61 कम्पनियों में से सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली कम्पनी के तौर पर चुना जाता है। इस चयन के अंतर्गत हिंडाल्को ने उद्योग के औसत पॉइंट्स यानी 51 पॉइंट्स की तुलना में कुल 75 पॉइंट्स का स्कोर प्राप्त किया था।

यह रैंकिंग, हिंडाल्को के एक लचीले, जिम्मेदार और विश्वसनीय बिज़नेस मॉडल के अंतर्गत कार्य संचालन को लेकर प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। सबसे खास बात यह कि डीजेएसआई कॉरपोरेट सस्टैंनबिलिटी असेसमेंट (सीएसए) में पर्यावरणीय, सामाजिक तथा शासन प्रणाली (ईएसजी) के सभी तीनों आयामों के अधिकांश पहलुओं में हिंडाल्को का स्कोर 100 परसेंटाइल का रहा। ईएसजी असेसमेंट डायमेंशन्स में क्लाइमेट स्ट्रेटजी, बायोडायवर्सिटी, पर्यावरण तथा सोशल रिपोर्टिंग, जल सम्बन्धी चुनौतियां, पॉलिसी इंफ्ल्यूएन्स, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, ह्यूमन कैपिटल डेवलपमेंट, आदि पहलू शामिल हैं।

हिंडाल्को ने उभरते हुए मार्केट्स इंडेक्स में प्रवेश करते हुए पिछले वर्ष ही डीजेएसआई में पदार्पण किया था और 2019 में इसने 60 पॉइंट्स स्कोर करते हुए वैश्विक स्तर पर एल्युमिनियम उद्योग में नम्बर 3 पर जगह बनाई थी। श्री सतीश पई , मैनेजिंग डायरेक्टर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड ने इस अवसर पर कहा-'यह रैंकिंग, हमारे विश्वसनीय, जिम्मेदार और लचीले बिज़नेस मॉडल के प्रति हमारी प्रतिबध्दता की मजबूती से पुष्टि करता है। इंडस्ट्री लीडर का स्थान पाना, हमारे उन अग्रणी अभियानों और निरन्तर किये जा रहे प्रयासों को पहचान मिलना है जो हम ग्लोबल एल्युमिनियम मेन्युफेक्चरिंग सेक्टर को अधिक सस्टेनेबल रूप में परिवर्तित करने के लिए कर रहे हैं। हमें प्रसन्नता है कि हमने अपने ओवरऑल सस्टैंनबिलिटी स्कोर को पिछले वर्ष के 60 से आज 75 पर लाकर महत्वपूर्ण सुधार दर्शाया है। यह इस बात का तो संकेत है कि हम सही रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं साथ ही इस बात की प्रेरणा भी देता कि हमें इस यात्रा को तेजी से आगे बढ़ाना है।'

छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा में भारत की रैंकिंग गिरी

नई दिल्ली। एजेंसी

विश्वबैंक के आंकड़ों के हिसाब से अल्पांश हिस्सेदारों के हितों की सुरक्षा के मामले में भारत की रैंकिंग हाल में गिरी है। यह रैंकिंग विश्वबैंक की कारोबार की सुगमता रैंकिंग का हिस्सा है। वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि हितधारकों को इस पक्ष पर सुधार करने की जरूरत है। मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव आनंद मोहन बजाज ने कहा कि ब्रोकरों को लघु अवधि के लाभों से ऊपर उठकर देखने की जरूरत है। उन्हें लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए जो निवेशकों को पूंजी बाजार के लिए आकर्षित कर सकें। उन्हें वहां रुकने के लिए रिझा सके। यह देश निर्माण के लिए काफी अहम है। बजाज का यह बयान ऐसे समय आया है जब कुछ ब्रोकर कंपनियों के चूक करने की घटनाएं सामने आयी हैं जिनसे छोटे निवेशक प्रभावित हुए हैं। विश्व बैंक की कारोबार सुगमता 2020 रपट में छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा के मामले में भारत पिछले साल के सातवें स्थान से फिसलकर 13वें स्थान पर आ गया है। बजाज, बीबीएफ इंडिया के एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा के मामले में हमारी रैंकिंग उच्च स्तर पर थी, लेकिन हाल में इस पक्ष पर भारत की रैंकिंग कमजोर हुई है। हालांकि कारोबार सुगमता को लेकर भारत की रैंकिंग पूर्ववत रही है। उन्होंने कहा कि खुदरा और छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए हमें खुद को पुनःसमर्पित करना होगा। इसके लिए हमें प्रौद्योगिकी, वित्त प्रौद्योगिकी और सूचनाओं के प्रसार अन्य सभी प्रकारों का लाभ उठाना होगा।

छोटे उद्यमों से केंद्रीय सरकारी उपक्रमों की खरीद, सीपीएसई का भुगतान मई-अक्टूबर के दौरान दोगुना

नयी दिल्ली। एजेंसी

सूक्ष्म एवं लघु उपक्रमों (एमएसई) से केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रमों (सीपीएसई) की खरीद पिछले छह महीने में बढ़ी है। अक्टूबर महीने में आपूर्तिकर्ताओं का कुल बकाया दोगुने से अधिक होकर 5,096.53 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सरकार ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर महीने में कुल बकाये में से एमएसई को 4,044.10 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। आंकड़ों के अनुसार, कुल बकाया से कुल खरीद व लेन-देन का पता चलता है। यह आंकड़ा इस साल मई में 2,346.82 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर अक्टूबर में 5,096.53 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। केंद्रीय सार्वजनिक उपक्रम एमएसई से खरीद व उन्हें किये गये भुगतान की जानकारी समाधान पोर्टल पर देते हैं। मंत्रालय ने वहीं से आंकड़े जारी किये। विज्ञप्ति में कहा गया, "पिछले छह महीनों के अनुभव के साथ, यह कहा जा सकता है कि सीपीएसई, एमएसई से खरीद में बहुत सक्रिय हैं। उन्होंने मई, 2020 के बाद समाधान पोर्टल पर विकसित किये गये नये रिपोर्टिंग प्रारूप पर विवरण की रिपोर्टिंग में एमएसएमई मंत्रालय के साथ सहयोग किया है। पिछले छह महीनों में एमएसई के साथ सीपीएसई के कारोबार में वृद्धि भी सीपीएसई द्वारा बड़ा पूंजीगत व्यय दर्शाती है। इसके अलावा, हर महीने सीपीएसई से एमएसई में आने वाला अधिक से अधिक भुगतान दोनों मोर्चों पर तरलता के प्रवाह को दिखाता है।"बयान में कहा गया कि यह भारत सरकार की समर्थक सक्रिय नीतियों, समय पर हस्तक्षेप व समर्थन और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा निरंतर अभियान व प्रयासों का परिणाम है।

बीपीसीएल में सरकारी हिस्सेदारी खरीदने के लिए वेदांता ने दाखिल किया अभिरुचि पत्र

नई दिल्ली। एजेंसी

वेदांता समूह ने बुधवार को कहा कि उसने भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में सरकार की हिस्सेदारी खरीदने के लिए प्रारंभिक अभिरुचि पत्र (ईओआई) दाखिल कर दिया है। भारत के दूसरे सबसे बड़े ईंधन रिटेलर कंपनी में वेदांता की दिलचस्पी उसके अपने मौजूदा तेल और गैस कारोबार के साथ तालमेल रहने के कारण है।

बीपीसीएल में अपनी हिस्सेदारी बेच रही है सरकार

सरकार बीपीसीएल में अपनी पूरी 52.98 फीसदी हिस्सेदारी बेच रही है और इसके लिए अभिरुचि पत्र (ईओआई) दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 नवंबर थी। कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, 'बीपीसीएल के लिए वेदांत का ईओआई हमारे मौजूदा तेल और गैस कारोबार के साथ संभावित तालमेल का मूल्यांकन करने के लिए है।' सरकार ने बोली लगाने के समाप्ति के मौके पर कहा था कि कई अभिरुचि पत्र प्राप्त हुए हैं। हालांकि, उसने बोली लगाने वालों की पहचान उजागर नहीं की।

मूल उपकरण विनिर्माताओं को सात साल में 3.5 लाख करोड़ रूपये के पूंजी व्यय की जरूरत: रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) को सरकार के 2030 तक कुल वाहनों में 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) के लक्ष्य को देखते हुए अगले पांच से सात साल में ईवी के लिये करीब 3.5 लाख करोड़ रुपये के पूंजी व्यय की जरूरत होगी। परामर्श सेवा देने वाली ब्रिकवर्क्स एनालिटिक्स (बीडब्ल्यूए) ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह कहा। बीडब्ल्यूए के अनुसार मॉडल पेश किये जाने तथा मौजूदा मॉडल को बेहतर बनाने के संदर्भ में क्षमता बढ़ाने को लेकर ओईएम का फिलहाज पूंजी व्यय करीब 25,000 से 30,000 रुपये सालाना है।

'लॉकडाउन'से प्रभावित वाहन क्षेत्र में हाल में सुधार के संकेत दिखे हैं। इसका मुख्य कारण लंबे समय के बाद लोगों का खर्च के लिये आगे आना है। खासकर त्योहारों के दौरान मांग में और तेजी आयी। हालांकि चिंता की बात यह है कि निवेश अभी उतना नहीं किया जा रहा है जितना की जरूरत है। खासकर ऐसे सयम जब सरकार 2030 तक सड़कों पर चलने वाले कुल वाहनों में 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहन का लक्ष्य हासिल करने के लिये नीतिगत पहल के तहत ईवी को बड़े स्तर पर बढ़ावा दे रही है। रिपोर्ट के अनुसार ईवी के प्रतिस्पर्धी स्तर तथा वैश्विक पैमाने पर विनिर्माण के लिये क्षमता तैयार करने की जरूरत होगी। इसके लिये शुरूआती चरण में पूंजी व्यय महत्वपूर्ण है। बीडब्लयूए ने कहा कि सरकार के लक्ष्य के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिये ओईएएम को अगले पांच से सात साल में केवल ईवी के लिये करीब 3.5 लाख रुपये पूंजी व्यय की जरूरत होगी।

जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी में गिरावट दस प्रतिशत से नीचे सीमित रहेगी: विशेषज्ञ

मुंबई। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के अंशकालिक सदस्य नीलेश शाह ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट पहली तिमाही के मुकाबले कम होगी और यह ऊपरी स्तर के एक अंक में रह सकती है।

शाह ने कहा कि बाजार में दीर्घकाल में तेजी आनी तय है। भारतीय बाजार में नवंबर महीने में अबतक 45,000 करोड़ लगा चुके विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) और धन डालेंगे। उन्होंने कहा कि एफपीआई अकेले नवंबर माह में पिछले दो साल के मुकाबले अधिक पूंजी लगाएंगे।

जीडीपी में 2020-21 में 9.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान

कोरोना वायरस महामारी और उसकी रोकथाम के लिये लगाये गये 'लॉकडाउन' से चालू वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही अप्रैल-जून में जीडीपी में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी थी। इसके आधार पर पूरे वित्त वर्ष में 14 प्रतिशत की गिरावट आने की आशंका थी। हालांकि 'लॉकडाउन' से जुड़ी पाबंदियां हटने के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू होने से स्थिति सुधरी है। इसको देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक ने जीडीपी में 2020-21 में 9.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान जताया है।

सबसे बड़ी गिरावट

बीबीएफ इंडिया के कार्यक्रम में शाह ने कहा जून तिमाही में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आयी। यह अबतक की सबसे बड़ी गिरावट थी। सितंबर तिमाही में भी जीडीपी में गिरावट का अनुमान है लेकिन यह दहाई अंक के मुकाबले ऊपर स्तर के एकल अंक में होगी। वहीं अक्टूबर दिसंबर तिमाही में गिरावट और कम होगी तथा जनवरी-मार्च, 2021 तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर सकारात्मक रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि काफी कुछ कोविड संक्रमण की गति, उसे रोकने के लिये टीका और दवा जैसे चिकित्सा उपायों पर निर्भर करेगा।

दुनिया में निवेश का प्रमुख केंद्र बन सकता है भारत, सरकार उठा रही है कदमः सीतारमण

नई दिल्ली। एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि भारत दुनिया में निवेश का एक प्रमुख केंद्र या हॉटस्पॉट बन सकता है। उन्होंने सोमवार को भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित एक वर्चुअल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार भारत को निवेश का केंद्र बनाने की दिशा में कदम उठा रही है। सुधारों का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि इन्हें जारी रखा जाएगा। उन्होंने भविष्य में कुछ और बड़े सुधारों का भी संकेत दिया। सीतारमण ने स्पष्ट किया कि सुधारों की रफ्तार को कायम रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि बड़े स्तर पर कुछ और सुधारों के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

ज्यादा नंबर निर्माण करने की योजना

लैंडलाइन से अब मोबाइल पर फोन करने के लिए डायल करना होगा जीरो

मुम्बई। आईपीटी नेटवर्क

लैंड लाइन से मोबाइल नंबर डायल करने के तरीके में इस बदलाव से टेलीकॉम कंपनियों को मोबाइल सेवाओं के लिए 254.4 करोड़ अतिरिक्त नंबर का निर्माण करने की सुविधा मिलेगी। यह भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी

अगर आप लैंडलाइन फोन का उपयोग करते हैं तो अगली बार आपको मोबाइल फोन का नंबर डायल करने से पहले जीरो लगाना होगा। पूरे देश में आने वाली 1 जनवरी से मोबाइल फोन पर कॉल करने वाले ग्राहकों के लिए जीरो डायल करना अनिवार्य कर दिया जाएगा। दूरसंचार विभाग (DoT) ने टेलीकॉम रेग्युलेटरी अथॉरिटी ट्राई (TRAI) की सिफारिशें को स्वीकार कर लिया है। इसके बाद नया नियम लागू करने का फैसला किया गया है।

ट्राई की सिफारिश को मंजूरी

TRAI ने इस तरह के कॉल के लिए 29 मई 2020 को नंबर से पहले जीरो लगाने की सिफारिश की थी। इससे टेलीकॉम सेवा देने वाली कंपनियों को अधिक नंबर बनाने की सुविधा मिलेगी। टेलीकॉम विभाग ने 20 नवंबर को जारी

TRAI
Telecom Regulatory Authority of India

एक सर्कुलर में कहा कि लैंडलाइन से मोबाइल पर नंबर डायल करने के तरीके में बदलाव की ट्राई की सिफारिशों को मान लिया गया है। इससे मोबाइल एवं लैंडलाइन सेवाओं के लिए पर्याप्त मात्रा में नंबर बनाने की सुविधा मिलेगी।

सभी ग्राहकों को जीरो डायल करना होगा

टेलीकॉम विभाग ने कहा कि टेलीकॉम कंपनियों को लैंडलाइन के सभी ग्राहकों को जीरो डायल करने की सुविधा देनी होगी। यह सुविधा अभी अपने क्षेत्र से बाहर के कॉल करने के लिए उपलब्ध है। सर्कुलर के मुताबिक, टेलीकॉम कंपनियों को ट्राई की इस नयी व्यवस्था को अपनाने के लिए एक जनवरी तक का समय दिया गया है।

254 करोड़ अतिरिक्त नंबर बनेंगे

मोबाइल नंबर डायल करने के तरीके में इस बदलाव से टेलीकॉम कंपनियों को मोबाइल सेवाओं के लिए 254.4 करोड़ अतिरिक्त नंबर का निर्माण करने की सुविधा मिलेगी। यह भविष्य की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी। दरअसल देश में 100 करोड़ से ज्यादा मोबाइल फोन धारक हैं। कई लोगों के पास 2-3 नंबर्स हैं। आने वाले समय में इसी तरह की मांग को देखते हुए यह व्यवस्था की जा रही है। इसका सीधा अर्थ यह है कि मोबाइल नंबर 10 अंक का ही होगा, पर यह जीरो के साथ 11 अंक का हो जाएगा। इससे ग्राहकों को और ज्यादा नंबर दिए जा सकेंगे।

यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड ने

यूनियन हाइब्रिड इक्विटी फंड को लॉन्च किया

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी भारत के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया तथा जापान के दाई-इची लाइफ़ होल्डिंग्स द्वारा सह-प्रायोजित, यूनियन हाइब्रिड इक्विटी फंड ('योजना') के लॉन्च की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम है, जिसमें मुख्यतः इक्विटी और इक्विटी से संबंधित साधनों में निवेश किया जाएगा। इस योजना के तहत इक्विटी में कम-से-कम 65ज्ञ और डेब्ट में अधिकतम 35ज्ञ का निवेश किया जाएगा। 27 नवंबर, 2020 को इस योजना के न्यू फंड ऑफर (ज्ञ्ध) का शुभारंभ होगा जो 11 दिसंबर, 2020 को बंद हो जाएगा। 18 दिसंबर, 2020 को इसके तहत आवंटन किया जाएगा, जो 28 दिसंबर, 2020 को आगे की बिक्री एवं पुनः खरीद के लिए फिर से खुलेगा।

इस योजना को ण्ध्ए्ध्ष्ट हाइब्रिड 35ह65 एग्रेसिव इंडेक्स (ऊँ६) क्ष में बेंचमार्क बनाया गया है, जिसका प्रबंधन श्री विनय पहारिया, श्री पारिजात अग्रवाल और श्री हार्दिक बोरा द्वारा किया जाएगा। निवेश हेतु आवश्यक न्यूनतम राशि 5,000/-रुपये है और इसके बाद 1 रुपये के गुणक में निवेश किया जाएगा।

इस अवसर पर श्री जी. प्रदीपकुमार, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ण्ध्), यूनियन एसेट मैनेजमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, ने कहा, 'इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें बेहद सोच-समझकर एसेट एलोकेशन किया गया है, जो निवेश के परिणामों में निश्चित सफलता की बुनियाद है। आमतौर पर अलग-अलग तरह के एसेट क्लास एक साथ आगे नहीं बढ़ते हैं, और इसी वजह से यूनियन हाइब्रिड इक्विटी फंड में निवेश करना उन सभी निवेशकों के लिए बेहतर साबित हो सकता है जो बेहद संतुलित तरीके से ऐसेट एलोकेशन वाले विकल्पों की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि इसमें इक्विटी और डेब्ट को बेहद शानदार तरीके से एक साथ लाया गया है। इस योजना के तहत, इस श्रेणी के लिए निर्धारित की गई सीमाओं के भीतर बेहद समझदारी के साथ इक्विटी और डेब्ट के मिश्रण को बरकरार रखने का प्रयास किया जाएगा। इस योजना के पोर्टफोलियो में निवेश से संबंधित सभी निर्णयों में हमारी मजबूत निवेश प्रक्रिया द्वारा मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा।'

आईटीआर: इस साल आयकर रिटर्न भरते समय रखें इन बातों का ध्यान, वर्ना बाद में होंगे परेशान

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल आयकर रिटर्न भरने की अंतिम तिथि को 31 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। इसके साथ ही प्रक्रिया को आसान बनाने और अनुपालन में सुधार के लिए आईटीआर फॉर्म में हर साल की तरह कुछ नए बदलाव किए गए हैं। वित्त वर्ष 2020 के लिए नए आईटीआर फॉर्म में सेक्शन 80सी और 80डी के तहत दावा किए जाने वाले कर लाभ के तरीकों समेत छह प्रमुख बदलावों की जानकारी होना आपके लिए बेहद जरूरी है। इस बार फॉर्म में आपको अपने अतिरिक्त बैंक खाते का विवरण दर्ज करना होगा। यदि आप एक से अधिक बैंक खाते हैं, जिसमें आप कर वापसी चाहते हैं, तो इसकी जानकारी फॉर्म में देनी होगी।

एलटीसी में छूट पर दावा करने पर देनी होगी जानकारी

अब इक्विटी शेयरों से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) और एक लाख रुपये से ऊपर के म्यूचुअल फंड कर योग्य हैं। इसके लिए विभाग ने आईटीआर फॉर्म में एक अलग अनुसूची 112ए पेश की है। इसके तहत आपको किसी कंपनी या इक्विटी-उन्मुख फंड की इकाई में इक्विटी शेयर की बिक्री के विवरण का खुलासा करना होगा, जिस पर धारा 112 ए के तहत प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) का भुगतान किया जाता है। कंसल्टेंसी फर्म डेलायट इंडिया पार्टनर तापी घोष के अनुसार, वित्त वर्ष 20 के आईटीआर फॉर्म में एलटीसीजी की रिपोर्टिंग के लिए लाभांश-वार विवरण भरना जरूरी है। इसके अलावा करदाताओं को अनुसूची 112ए के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन), लाभांश का नाम, यूनिटों या शेयरों की बिक्री, बिक्री मूल्य, खरीद मूल्य और उचित बाजार मूल्य की जानकारी देनी होगी।

कर-बचत का विवरण देना होगा

कोरोना संकट के चलते आयकर विभाग ने करदाताओं को 31 मार्च के बजाय अब 31 जुलाई तक के निवेश पर धारा 80 सी सहित अन्य कटौती का दावा करने की अनुमति दी है। इस तरह के लाभ का दावा करने के लिए, आपको एक नए शेड्यूल के तहत आईटीआर फॉर्म में विवरण देना होगा। अगर आप इस वित्त वर्ष के बजाय अगले वित्त वर्ष में इसका लाभ उठाना चाहते हैं तो इस कॉलम को खाली छोड़ सकते हैं।

पैन के स्थान पर आधार का विकल्प

इस बार एक और बदलाव किया गया है। इसके तहत पैन और आधार को लगभग एक समान माना गया है। यानी किसी अचल संपत्ति के खरीदार, हाउस प्रापर्टी से होने वाली आय जैसे मामलों में जिन लोगों के पास पैन कार्ड नहीं है, वे पैन नंबर के स्थान पर अब आधार नंबर को भी आईटीआर में भर सकते हैं। पहले दोनों मामलों में केवल पैन कार्ड का नंबर ही दर्ज किया जा सकता था।

आईटीआर फाइल करने की अन्य नई शर्तें

अगर आपकी ग्रॉस टोटल इनकम 2.5 लाख से कम है, तो आपको आईटीआर दाखिल करना अनिवार्य नहीं है। लेकिन ऐसी स्थिति में भी कुछ मामलों में आईटीआई भरना जरूरी किया गया। जैसे कि एक या एक से अधिक चालू खाते में कुल एक करोड़ या उससे भी अधिक राशि वित्तीय वर्ष 2019-20 में जमा कराई गई हो, किसी विदेशी यात्रा पर दो लाख से अधिक खर्च किया हो या फिर वित्त वर्ष 20 में बिजली की खपत पर एक लाख रुपये से अधिक खर्च किया हो।

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण आठ लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। एजेंसी

एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान आठ लाख करोड़ रुपये के पार हो गया। इस उपलब्धि को हासिल करने वाला यह देश का पहला बैंक है। बीएसई पर कंपनी का बाजार पूंजीकरण बढ़कर 8,05,742 करोड़ रुपये हो गया। एचडीएफसी बैंक, बाजार पूंजीकरण के मामले में तीसरी सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी है। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से पहले स्थान पर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) है और दूसरा स्थान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का है। इस साल अब तक एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 15.11 फीसदी की तेजी आई है।

HDFC BANK
We understand your world

कोरोना वायरस के मामले बढ़ने से एयलाइंस कंपनियों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन। यूरोप और अमेरिकी में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी के साथ ही दुनिया भर की विमानन कंपनियों का वित्तीय परिदृश्य खराब हो रहा है। विमानन कंपनियों के एक संगठन ने कहा कि उद्योग को महामारी के चलते इस साल और अगले साल 157 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का नुकसान होगा। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का यह पूर्वानुमान उसके द्वारा जून में जताए गए 100 अरब डॉलर के नुकसान के अनुमान से अधिक है।

प्रति यात्री होगा 66 डॉलर का घाटा

ताजा अनुमानों के मुताबिक विमानन कंपनियों को इस साल प्रति यात्री 66 डॉलर से अधिक का घाटा होगा। हालांकि, व्यापार समूह को आगे तेजी से सुधार की उम्मीद है। उसने कहा कि कोविड-19 का टीका आने के बाद यात्रा बढ़ेगी, जिसके चलते विमानन कंपनियां 2021 की चौथी तिमाही से मुनाफे में आने लगेंगी।

संगठन ने दुनिया भर की सरकारों से कहा है कि टीका आने का इंतजार करने की जगह, जो लोग वायरस से संक्रमित नहीं हैं, उन्हें यात्रा करने की इजाजत दी जाए। संघ के प्रमुख अलेक्जेंड्रे डी जूनियान ने कहा कि हम उस टीके का इंतजार नहीं कर सकते, जो 2021 के मध्य से पहले पूरी तरह उपलब्ध नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यात्रियों का कोविड-19 परीक्षण करने के बाद निगेटिव लोगों को हवाई यात्रा की अनुमति देनी चाहिए।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया छह पैसे बढ़कर 73.95 के स्तर पर

मुंबई। एजेंसी

विदेशी कोषों की लगातार आवक और कोरोना वायरस की वैक्सीन के संबंध में सकारात्मक प्रगति के चलते रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार के दौरान अमेरिकी डॉलर के मुकाबले छह पैसे बढ़कर 73.95 के स्तर पर आ गया। कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में मजबूती, विदेशी कोषों की लगातार आवक और कमजोर अमेरिकी मुद्रा ने रुपया का समर्थन किया। अंतरबैंक

विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.98 पर खुला, और बढ़त दर्ज करते हुए 73.95 के स्तर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले छह पैसे की मजबूती को दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर तीन सप्ताह के उच्च स्तर 74.01 पर बंद हुआ था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को पूंजी बाजार में सकल आधार पर 4,563.18 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 1.27 प्रतिशत बढ़कर 48.47 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

अमेजन को झटका, रिलायंस और फ्यूचर समूह की डील को मिली CCI की मंजूरी

नई दिल्ली। एजेंसी

किशोर बियानी के नेतृत्व वाली फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए राहत भरी खबर आई है। 24,713 करोड़ रुपये की इस डील को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने मंजूरी दे दी है। यानी अब रिलायंस इंडस्ट्रीज को फ्यूचर ग्रुप के कारोबार का अधिग्रहण करने में आसानी होगी। इससे दिग्गज अमेरिकी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को बड़ा झटका लगा है।

क्या है मामला?

फ्यूचर समूह और अमेजन के बीच रिलायंस सौदे को लेकर विवाद चल रहा है। उल्लेखनीय है कि सिंगापुर इंटरनेशनल मध्यस्थता केंद्र (एसआईएएसी) ने 25 अक्तूबर को अमेजन के पक्ष में अंतरिम आदेश जारी करते हुए एफआरएल को अपनी संपत्ति बेचने या कोष प्राप्त करने को लेकर कोई भी प्रतिभूति जारी पर रोक लगा दी थी। एफआरएल के अनुसार उसके बाद ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), शेयर बाजारों और भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग को पत्र लिखकर फ्यूचर रिटेल-रिलायंस इंडस्ट्रीज के सौदे को लेकर कोई भी फैसला करने से पहले सिंगापुर मध्यस्थता केंद्र के निर्णय को ध्यान में रखने को कहा था।

वीके राजा की एकल न्यायाधीश पीठ ने अंतरिम मध्यस्थता फैसले में फ्यूचर रिटेल के द्वारा अपनी किसी भी संपत्ति को बेचने अथवा किसी प्रतिबंधित पक्ष से वित्तपोषण पाने को लेकर प्रतिभूति जारी करने से रोक दिया है। कंपनी ने यह भी कहा कि कोरोना वायरस महामारी के कारण वह गंभीर वित्तीय दिक्कतों से गुजर रही है। उसने कहा कि यह सौदा इन दिक्कतों से निकलने का उनके पास एकमात्र उपाय है। मामले में किशोर बियानी की अगुवाई वाली कंपनी ने कहा था कि, 'एफआरएल को परामर्श दिया गया है कि एक आपात्कालिक मध्यस्थ को भारतीय मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 के भाग एक के तहत कोई कानूनी दर्जा प्राप्त नहीं है। इसलिए, आकस्मिक मध्यस्थता के समक्ष हुई कार्यवाही न्यायिक नहीं है।' कंपनी ने कहा कि बिना न्यायाधिकार क्षेत्र के किसी प्राधिकरण के द्वारा दिया गया आकस्मिक मध्यस्थता निर्णय भारतीय कानून के तहत औचित्यहीन है।

सेबी ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग पर प्रतिबंध की पुष्टि की, पारित किया अंतिम आदेश

नयी दिल्ली। एजेंसी

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नये उपभोक्ताओं को जोड़ने को लेकर कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) पर प्रतिबंध लगाने की मंगलवार को पुष्टि की।

सेबी ने करीब एक साल पहले इस सिलसिले में एक अंतरिम आदेश जारी कर केएसबीएल के ऊपर उपभोक्ताओं की प्रतिभूतियों का दुरुपयोग करने से रोक लगा दिया था। अब सेबी ने इस बारे में अंतिम आदेश पारित किया है। सेबी ने कंपनी व इसके निदेशकों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का शेयर बाजारों व डिपॉजिटरी को निर्देश भी दिया है। केएसबीएल के ऊपर निवेशकों के दावों का निपटान करने तक अपनी किसी भी संपत्ति को एनएसई की पूर्व अनुमति के बिना हटाने से भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। सेबी ने एनएसई से इस सिलसिले में फोरेंसिक रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद अंतिम आदेश पारित किया है। एनएसई पहले ही केएसबीएल की सदस्यता समाप्त कर चुका है और उसे डिफॉल्टर घोषित कर चुका है।

सुधर रहे हालात:देश में कर्मचारियों की बढ़ने लगी हायरिंग

सितंबर में पिछले साल के मुकाबले 30% की हुई बढ़ोतरी: लिंक्डइन

नई दिल्ली। एजेंसी

कारोबार और कंपनियों के खुलने से देश में हायरिंग एक्टिविटी बढ़ने लगी है। ग्लोबल प्रोफेशनल सर्विसेज प्लेटफॉर्म लिंक्डइन ने मंगलवार को एक रिपोर्ट में कहा कि इस साल सितंबर में पिछले साल के सितंबर महीने की तुलना में 30 फीसदी ज्यादा हायरिंग हुई। अप्रैल में हायरिंग एक्टिविट में साल-दर-साल आधार पर 50 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। अप्रैल के बाद हायरिंग में धीरे-धीरे सुधार होता रहा। जुलाई में हायरिंग 0 (शून्य) फीसदी के ऊपर आया। अगस्त में इसमें 12 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और सितंबर में साल-दर-साल आधार पर 30 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया।

नौकरी का कंपिटीशन घटा, लेकिन पिछले साल से अब भी 30% ज्यादा

रिपोर्ट में कहा गया कि नौकरी के लिए कंपिटीशन आज कुछ महीने पहले के मुकाबले कम रह गया है, लेकिन एक साल पहले के मुकाबले अब भी कंपिटीशन 30 फीसदी ज्यादा है। 2020 के मध्य में नौकरी के लिए कंपिटीशन करीब दोगुना हो गया था। अगस्त में इसमें गिरावट आई और हर एक नौकरी के लिए औसतन 1.3 गुना आवेदन आए। सितंबर में कंपिटीशन का यही स्तर बना रहा।

रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना से ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों (जैसे मनोरंजन और यात्रा) में काम करने वाले कर्मचारियों में दूसरे सेक्टर्स में नौकरी खोजने की संभावना प्री-कोविड स्तर के मुकाबले 4.2 गुना बढ़ी है। हालांकि जून में यह तनाव और भी ज्यादा था, जब अन्य सेक्टर्स में नौकरी खोजने की संभावना 6.8 गुना थी। इस दौरान रिटेल सेक्टर में यह तनाव 2.4 गुना से घटकर 1.1 गुना पर आ गया है। अन्य सेक्टर्स में हालांकि ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है।

सेक्टर एनालिसिस

बैंकों का बढ़ेगा नॉन परफॉर्मिंग लोन

अगले 12-18 महीने में ग्रॉस लोन के 10-11% तक पहुंच सकता है NPL

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय बैंकिंग सेक्टर के नॉन परफॉर्मिंग लोन में बढ़ोतरी हो सकती है। एंड्र ग्लोबल रेटिंग्स ने मंगलवार को कहा कि अगले 12-18 महीने में NPL ग्रॉस लोन के 10-11 फीसदी तक पहुंच सकता है। S&P ग्लोबल रेटिंग्स की क्रेडिट एनालिस्ट दीपाली सेठ छाबड़िया ने कहा कि दूसरी तिमाही में फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन का परफॉर्मेंस हमारी उम्मीद से बेहतर रहा। लेकिन 6 महीने के मोरेटोरियम ने इसमें बड़ी भूमिका निभाई। इसके साथ ही किसी भी कर्जधारक को NPA घोषित करने से रोकने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी बड़ा हाथ रहा।

लोन भुगतान का मोरेटोरियम 31 अगस्त को समाप्त हो गया

एंड्र ने अपनी रिपोर्ट 'द स्ट्रेस फ्रैक्चर्स इन इंडियन फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस' में कहा कि लोन भुगतान मोरेटोरियम 31 अगस्त 2020 को समाप्त हो गया है। इसलिए अगले 12-18 महीने में भारतीय बैंकिंग सेक्टर का ऋण बढ़कर ग्रॉस लोन के 10-11 फीसदी पर पहुंच सकता है। 30 जून 2020 को NPL 8 फीसदी के स्तर पर था।

क्रेडिट कॉस्ट इस साल और अगले साल

2.2-2.9% के ऊंचे स्तर पर बने रहने का अनुमान

S&P के मुताबिक बैंकिंग सिस्टम का क्रेडिट कॉस्ट इस साल और अगले साल 2.2-2.9 फीसदी के ऊंचे स्तर पर बना रहेगा। आर्थिक गतिविधियों के फिर से खुलने, छोटे व मझोले उद्यमों के लिए सरकार के क्रेडिट गारंटी और ज्यादा नकदी से स्ट्रेस को कम रखने में मदद मिल रही है। हमारा NPL अनुमान पहले से कम है लेकिन फिर भी हमारा मानना है कि बैंकिंग सेक्टर की वित्तीय ताकत में 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले कारोबारी साल तक समुचित मजबूती नहीं आएगी।

ज्यादा प्रॉविजनिंग बैंकों को कोविड से जुड़े झटके से बचा सकता है

S&P के मुताबिक 3-8 फीसदी लोन रीस्ट्रक्चर किया जा सकता है। बैंक और नॉन-बैंक फाइनेंस कंपनी (NBFC) अपने बैलेंसशीट और इक्विटी बेस को मजबूत करने में भी लगे हुए हैं। बैंक रिजर्व भी तैयार कर रहे हैं और ज्यादा-से-ज्यादा कोविड प्रॉविजन कर रहे हैं। इससे उन्हें कोविड से जुड़े नुकसान से उबरने में मदद मिलेगी।

बड़ी NBFC को सिस्टम में सरप्लस लिक्विडिटी का लाभ मिल रहा है

S&P ने कहा कि हम जिन NBFC की रेटिंग करते हैं, उनका परफॉर्मेंस सुधर रहा है। बैंकों की तरह NBFC की भी वसूली बढ़ी है। बड़ी NBFC को सिस्टम में सरप्लस लिक्विडिटी का लाभ मिल रहा है। कमजोर फाइनेंस कंपनियों को हालांकि ज्यादा रिस्क प्रीमियम का सामना करना पड़ रहा है। यह विभाजन 2021 में भी बने रहने का अनुमान है।

भारत में 2023 तक 20 लाख करोड़ बढ़ जाएगा डिजिटल लेनदेन

नई दिल्ली। डिजिटलीकरण की तरफ बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था को कोविड-19 महामारी ने और तेज कदम बढ़ाने के लिए मजबूर कर दिया है। बदलते हालात में अधिकतर बैंक डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने वाले तंत्र विकसित कर रहे हैं। अनुमान है कि 2023 तक डिजिटल भुगतान में करीब 20 लाख करोड़ का और इजाफा हो जाएगा। असेंचर ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में बताया कि अगले तीन साल में डिजिटल लेनदेन में करीब 66.6 अरब ट्रांजेक्शन का इजाफा होगा और 270 अरब डॉलर (19.98 लाख करोड़ रुपये) का नकद लेनदेन कार्ड व डिजिटल रूप में बदल जाएगा। इतना ही नहीं 2030 तक डिजिटल लेनदेन में 856 अरब डॉलर (64.08 लाख करोड़ रुपये) का इजाफा होने का अनुमान है। इसका सबसे बड़ा कारण महामारी है, जिसने बैंकों ने डिजिटलीकरण अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। डिजिटल भुगतान कंपनियों के 120 से भी ज्यादा कार्यकारी अधिकारियों से बातचीत पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार, बैंक भी दशकों बाद नए तरह के नियमों को अपनाने के लिए आगे बढ़ रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर तीन साल में 51.8 लाख करोड़ बढ़ेगा डिजिटल लेनदेन

रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक स्तर पर भी डिजिटलीकरण में तेजी आएगी और 2023 तक डिजिटल ट्रांजेक्शन में 420 का इजाफा होगा। इससे करीब 51.8 लाख करोड़ रुपये का नकदी लेनदेन डिजिटल प्लेटफॉर्म में बदल जाएगा। इतना ही नहीं 2030 तक यह राशि बढ़कर 3,552 लाख करोड़ रुपये पहुंच जाएगी। असेंचर ने सर्वे में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, नॉर्वे, सिंगापुर, थाईलैंड, भारत, ब्रिटेन और अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया है।

45 हजार रुपये से नीचे भी जा सकता है सोना, जानें क्यूं गिर रहे हैं दाम

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल निवेशकों को मोटा रिटर्न दे चुका सोना अब झटका देने लगा है। कोरोना का टीका तैयार होने की खबरों के बीच मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 1049 रुपये की भारी गिरावट के साथ 49 हजार रुपये के स्तर से भी नीचे पहुंच गया। सोने का दाम 48569 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना मंगलवार को 1,049 रुपये की गिरावट के साथ 48,569 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। पिछले कारोबारी सत्र में सोने का भाव 49,618 रुपये प्रति 10 ग्राम था।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ जिंस विश्लेषक तपन पटेल ने कहा, कोविड-19 के टीके के संदर्भ में उम्मीद बढ़ने और बाइडेन के अमेरिकी राष्ट्रपति का कार्यभार संभालने की तैयारियों के मद्देनजर सोने की कीमतों में गिरावट देखी गई। इसके अलावा वैश्विक बाजार में कमजोरी के संकेतों और रुपये की विनिमय दर में सुधार का भी सोने की कीमतों पर असर पड़ा। इस बीच बिकवाली दबाव के कारण चांदी भी 1,588 रुपये की गिरावट के साथ 59,301 रुपये प्रति किलो ग्राम पर आ गई। पिछले सत्र में इसका बंद भाव 60,889 रुपये प्रति किग्रा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने का भाव हानि के साथ 1,830 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 23.42 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एजेंल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता ने कहा कि

सोने 49 हजार निचला स्तर तोड़ दिया है जिसके बाद इसमें और गिरावट की आशंका बढ़ गई है।

गिरावट की चार वजह

टीका बनाने के करीब पहुंची कंपनियां

दुनिया की कई दवा कंपनियां कोरोना का कारगर टीका बनाने के करीब पहुंच चुकी हैं। इनका दावा है कि यह 70 से 94 फीसदी तक कारगार हो सकता है। ऐसे में आने वाले समय में कोरोना का डर कम होने से सोना सुरक्षित निवेश नहीं रह जाएगा। इससे सोने में गिरावट आ रही है।

बाइडन से भी जगी उम्मीदें

अमेरिका में जो बाइडन राष्ट्रपति का चुनाव जीत चुके हैं। उन्होंने सत्ता संभालने की तैयारी तेज कर दी है। नरमपंथी बाइडन के सत्ता में आने से व्यापार युद्ध थमने की उम्मीद की जा रही है। इससे दुनियाभर में कारोबारी गतिविधियों के रफ्तार पकड़ने का अनुमान है। आर्थिक संकट के बादल छंटने से सोने की चमक फीकी पड़ रही है।

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार

भारत और अमेरिका समेत दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में तेज सुधार देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि आर्थिक तेजी की स्थिति में शेयरों से जुड़े निवेश अधिक फायदेमंद होते है। ऐसे में अब निवेशक सोने की बजाय शेयरों को अधिक तरजीह दे रहे है। इससे भी सोने की गिरावट को बल मिला है।

अभी सोने में निवेश से बचें

एजेंल ब्रोकिंग के डिप्टी वाइस प्रसिडेंट अनुज गुप्ता ने कहा कि कोरोना संकट गहराने पर सोना 55 हजार के स्तर को पार कर गया था। अब टीका बनने के करीब पहुंचने के साथ ही इसमें गिरावट शुरू हो चुकी है। गुप्ता ने कहा कि टीका बन जाने के बाद सोना 45 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम से भी नीचे आ जाए तो आश्चर्य नहीं होगा। ऐसे में मौजूदा समय में सोने में निवेश से दूर रहने की जरूरत है। हालांकि, एक साल या उससे लंबी अवधि में यह 55 हजार रुपये के स्तर तक दोबारा पहुंच सकता है।

पांच महीने की योगनिद्रा के बाद जागेंगे भगवान विष्णु

3 शुभ योग बनने से खास रहेगा ये पर्व

कार्तिक महीने के शुक्लपक्ष की एकादशी को देवप्रबोधिनी एकादशी और देवउठनी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक आषाढ़ महीने के शुक्लपक्ष की एकादशी यानी देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु सो जाते हैं। इसके बाद देव प्रबोधिनी यानी कार्तिक माह की शुक्ल पक्ष एकादशी को क्षीरसागर में चार महीने की योगनिद्रा के बाद भगवान विष्णु इस दिन उठते हैं। भगवान के जागने से सृष्टि में तमाम सकारात्मक शक्तियों का संचार होने लगता है।

देवउठनी एकादशी पर गन्ने का मंडप सजाकर उसमें भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित कर पूजन किया जाएगा। एकादशी से विवाह समेत सभी मंगल कार्यों की भी शुरुआत हो जाएगी। भगवान विष्णु और लक्ष्मी के साथ तुलसी पूजा करने का भी विधान है। काशी के ज्योतिषाचार्य पं. गणेश मिश्र बताते हैं कि बताया कि इस बार एकादशी पर सिद्धि, महालक्ष्मी और रवियोग बन रहे हैं। इन 3 शुभ योगों से देव प्रबोधिनी एकादशी पर की जानी वाली पूजा का अक्षय फल मिलेगा। कई सालों बाद एकादशी पर ऐसा संयोग बना है। एकादशी तिथि बुधवार को सूर्योदय से शुरू होकर अगले दिन सूर्योदय तक रहेगी।

सजेगा गन्नों का मंडप... ऋतु फलों का लगेगा भोग

देवउठनी एकादशी पर घरों और मंदिरों में गन्नों से मंडप सजाकर उसके नीचे भगवान विष्णु की प्रतिमा विराजमान कर मंत्रों से भगवान विष्णु को जगाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। पूजा में भाजी सहित सिंघाड़ा, आंवला, बेर, मूली, सीताफल, अमरुद और अन्य ऋतु फल चढाएं जाएंगे। पं. मिश्रा के मुताबिक जल्दी शादी और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से ये पूजा अविवाहित युवक-युवतियां भी खासतौर से करते हैं।

तुलसी की खासियत

वनस्पति शास्त्रियों के मुताबिक तुलसी नेचुरल एयर प्यूरिफायर है। यह करीब 12 घंटे ऑक्सीजन छोड़ता है। तुलसी का पौधा वायु प्रदूषण को कम करता है। इसमें यूजेनॉल कार्बनिक योगिक होता है जो मच्छर, मक्खी व कीड़े भगाने में मदद करता है।

तुलसी-शालिग्राम विवाह की परंपरा

इस पर्व पर वैष्णव मंदिरों में तुलसी-शालिग्राम विवाह किया जाता है। धर्मग्रंथों के जानकारों का कहना है कि इस परंपरा से सुख और समृद्धि बढ़ती है। देव प्रबोधिनी एकादशी पर तुलसी विवाह से अक्षय पुण्य मिलता है और हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं।

कन्यादान का पुण्य

जिन घरों में कन्या नहीं है और वो कन्यादान का पुण्य पाना चाहते हैं तो वह तुलसी विवाह कर के प्राप्त कर सकते हैं। ब्रह्मवैवर्त पुराण का कहना है कि सुबह तुलसी का दर्शन करने से अक्षय पुण्य फल मिलता है। साथ ही इस दिन सूर्यास्त से पहले तुलसी का पौधा दान करने से भी महा पुण्य मिलता है।

क्यों मनाया जाता है पर्व

शास्त्रों के मुताबिक भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी को चार महीने के लिए सो जाते हैं और एक ही बार कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। शास्त्रों के मुताबिक भगवान विष्णु ये चार महीनो के लिए सो जाते हैं और इस दौरान सभी मांगलिक कार्य वर्जित होते हैं। जब देव (भगवान विष्णु) जागते हैं तभी कोई मांगलिक कार्य शुरू होते है। इस दिन भगवान विष्णु के उठने के कारण ही देव जागरण या उत्थान होने के कारण ही इसे देवोत्थान एकादशी कहते हैं।

पूजा में लगाएं ये चीजें

देवउठनी एकादशी पर पूजा स्थल में गन्नों से मंडप सजाया जाता है। उसके नीचे भगवान विष्णु की प्रतिमा विराजमान कर मंत्रों से भगवान विष्णु को जगाने के लिए पूजा की जाती है।

पूजा में भगवान को करें अर्पित

पूजा में मूली, शकरकंद, सिंघाड़ा, आंवला, बेर, मूली, सीताफल, अमरुद और अन्य ऋतु फल चढाएं जाते हैं।

देवउठनी एकादशी पर करें पितृदोष निवारण हेतु 4 उपाय

भगवान विष्णु आषाढ़ शुक्ल एकादशी को चार माह के लिए सो जाते हैं और कार्तिक शुक्ल एकादशी को जागते हैं। इसीलिए कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इसे हरि प्रबोधिनी एकादशी और देवोत्थान एकादशी भी कहा जाता है। कहते हैं कि देवोत्थान एकादशी का व्रत करने से हजार अश्वमेघ एवं सौ राजसूय यज्ञ का फल मिलता है।

1. पितृदोष से पीड़ित लोगों को इस दिन विधिवत व्रत करना चाहिए। पितरों के लिए यह उपवास करने से अधिक लाभ मिलता है जिससे उनके पितृ नरक के दुखों से छुटकारा पा सकते हैं।
2. इस दिन भगवान विष्णु या अपने इष्ट-देव की उपासना करना चाहिए। इस दिन 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः' मंत्र का जाप करने से लाभ मिलता है।
3. शालीग्राम के साथ तुलसी का आध्यात्मिक विवाह देव उठनी एकादशी को होता है। इस दिन तुलसी की पूजा का महत्व है। तुलसी दल अकाल मृत्यु से बचाता है। शालीग्राम और तुलसी की पूजा से पितृदोष का शमन होता है।
4. इस दिन देवउठनी एकादशी की पौराणिक कथा का श्रावण या वाचन करना चाहिए। कथा सुनने या कहने से पुण्य की प्राप्ति भी होती है।

श्रीहरि को जगाने के लिए इस मंत्र का जाप करना चाहिए- 'उत्तिष्ठोत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पते। त्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत् सुप्तं भवेदिदम? उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधव। गता मेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशः? शारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव।'

देवउठनी एकादशी पर सुनते हैं यह व्रत कथा, होगा आपको विशेष लाभ

हिन्दी पंचांग के अुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को देवउठनी एकादशी कहा जाता है। इस वर्ष देवउठनी एकादशी 25 नवंबर को है। इसी दिन तुलसी के संग शालीग्राम का विवाह भी होता है। देवउठनी एकादशी को भगवान विष्णु की विधि विधान से पूजा की जाती है। पूजा के समय देवउठनी एकादशी व्रत की कथा सुनी जाती है, इसके पुण्य से व्यक्ति को स्वर्ग की प्राप्ति होती है। ऐसी धार्मिक मान्यता है।

देवउठनी एकादशी व्रत कथा

एक समय एक राजा था। उसके राज्य में सभी एकादशी का व्रत करते थे। एकादशी के दिन पूरे राज्य में किसी को अन्न नहीं दिया जाता था। एक दिन एक व्यक्ति नौकरी मांगने के उद्देश्य से राजा के दरबार में आया। उसकी बातें सुनने के बाद राजा ने कहा कि नौकरी तो मिल जाएगी, लेकिन एकादशी के दिन अन्न नहीं दिया जाएगा। नौकरह मिलने की खुशी में उस व्यक्ति ने राजा की बात मान ली। एकादशी का व्रत आया। सभी व्रत थे। उसने भी फलाहार किया लेकिन भूख नहीं मिटी। वह राजा के

पास अन्न मांगने गया। उसने राजा से कहा कि फलाहार से उनकी भूख नहीं मिटी है, वह भूखों मर जाएगा। उसे खाने के लिए अन्न दिया जाए। इस पर राजा ने अपनी शर्त वाली बात दोहराई। उस व्यक्ति ने कहा कि वह भूख से मर जाएगा, उसे अन्न जरूरी है। तब राजा ने उसे भोजन के लिए आटा, दाल, चावल दिलवा दिया। वह नदी किनारे स्नान किया और भोजन बनाया। उसने भोजन निकाला और भगवान को निमंत्रण दिया। तब भगवान विष्णु वहां आए और भोजन किए। फिर चले गए। वह भी अपने काम में लग गया। फिर दूसरे मास की एकादशी आई। इस बार उसने अधिक अनाज मांगा। राजा ने कारण पूछा तो उसने बताया कि पिछली बार भगवान भोजन कर लिए, इससे वह भूखा रह गया। इतने अनाज से दोनों का पेट नहीं भरता। राजा चकित थे, उनको उस व्यक्ति की बात पर विश्वास नहीं हुआ। तब वह राजा को अपने साथ लेकर गया। उसने स्नान करके भोजन बनाया और भगवान को निमंत्रण दिया। लेकिन इस बार भगवान नहीं आए। वह शाम तक भगवान का इंतजार करता रहा। राजा पेड़ के पीछे छिपकर सब देख रहे थे। अंत में उसने कहा कि हे भगवान! यदि आप भोजन करने नहीं आएंगे तो नदी में कूदकर जान दे देगा। भगवान के न आने पर उस नदी की ओर जाने लग, तब भगवान प्रकट हुए। उन्होंने भोजन किया। फिर उस पर भगवत कृपा हुई और वह प्रभु के साथ उनके धाम चला गया। राजा को ज्ञान हो गया कि भगवान को भक्ति का आडंबर नहीं चाहिए। वे सच्ची भावना से प्रसन्न होते हैं और दर्शन देते हैं। इसके बाद से राजा भी सच्चे मन से एकादशी का व्रत करने लगे। अंतिम समय में उनको भी स्वर्ग की प्राप्ति हो गई।

घर पर आए गोमाता तो अवश्य कराएं भोजन, गोसेवा से दूर हो जाता है हर कष्ट

हिन्दू धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है। गाय की पूजा की जाती है और मान्यता है कि गाय में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। वास्तु शास्त्र में बताया गया है कि गाय हर प्रकार के वास्तु दोष को दूर करने में सक्षम है। वास्तु के अनुसार घर में गाय का होना बहुत शुभ माना जाता है। माना जाता है कि गाय की पूजा करने और सेवा करने से सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। हिंदू धर्म में गाय को मां के समान दर्जा दिया जाता है। गोमाता के गोबर से

बने उपलों से रोजाना घर या प्रतिष्ठान में धूप करने से वातावरण शुद्ध होता है और सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि होती है। घर के दरवाजे पर अगर कभी गोमाता आए तो भोजन अवश्य कराएं। गाय की सेवा से संतान प्राप्ति में आ रही बाधा दूर हो जाती है। सुबह गोसेवा करने से अत्यंत लाभ होता है। भोजन से पूर्व गाय के लिए रोटी निकालकर खिलाना चाहिए। घर में बंधी गाय का रंभाना शुभ माना जाता है। गाय के घर में होने से गृह क्लेश दूर हो जाते हैं। गाय की पूजा से कुंडली में मौजूद दोष समाप्त हो जाते हैं। गाय को अमावस्या को रोटी, गुड़, चारा खिलाने से पितृदोष समाप्त हो जाते हैं। यदि बुरे स्वप्न दिखाई दें तो गोमाता का नाम लें। यदि यात्रा आरंभ कर रहे हैं और गाय सामने आ जाए अथवा अपने बछड़े को दूध पिलाती हुई सामने दिखाई दे तो आपकी यात्रा सफल होती है।

त्योहारी सीजन में बढ़ी वाहनों की बिक्री से मोटर बीमा में भी हुआ इजाफा

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल त्योहारी सीजन में वाहनों की बिक्री में उछाल आया है और इसके साथ ही देश में मोटर इंश्योरेंस के कारोबार में भी बढ़ोतरी हुई है। अक्तूबर के महीने में मोटर बीमा प्रीमियम में सालाना आधार पर करीब तीन फीसदी का इजाफा हुआ है। जबकि इस साल लंबे समय तक मोटर बीमा प्रीमियम में गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी में करीब चार फीसदी की गिरावट आई थी।

इन कारकों से वाहन बीमा उद्योग को हुआ फायदा

कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की रिपोर्ट के अनुसार, त्योहारी मांग व माल भाड़े की दरों में आई बढ़ोतरी से वाहन बीमा उद्योग को फायदा हुआ है। इस दौरान मोटर ऑन डैमेज (ओडी) प्रीमियम में दो फीसदी की वृद्धि हुई और थर्ड पार्टी इंश्योरेंस (टीपी) में चार फीसदी की तेजी आई है। हालांकि पिछले तीन महीनों में इनमें पांच से आठ फीसदी की गिरावट आई थी। इस संदर्भ में ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि, अप्रैल और मई में मोटर बीमा में आई गिरावट की तुलना में सुधार हुआ है और आगे भी इसमें सुधार होने की संभावना है।

14.19 फीसदी बढ़ी वाहनों की थोक बिक्री

मालूम हो कि भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्तूबर में 14.19 फीसदी बढ़कर 3,10,294 यूनिट हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 2,71,737 यूनिट थी। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी थी। सियाम ने बताया था कि त्योहारी सीजन में मांग में तेजी आई है, जिसे पूरा करने के लिए डीलरों ने अधिक संख्या में गाड़ियां मंगाईं। आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान दोपहिया वाहनों की बिक्री 16.88 फीसदी बढ़कर 20,53,814 यूनिट हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 17,57,180 यूनिट थी। इस दौरान मोटरसाइकिल की बिक्री 23.8 फीसदी बढ़कर 13,82,749 यूनिट हो गई और स्कूटर की बिक्री में 1.79 फीसदी बढ़कर 5,90,507 यूनिट दर्ज की गई।

प्रमुख कंपनियों को हुआ फायदा

अक्तूबर में मारुति सुजुकी की थोक बिक्री 1,63,656 यूनिट रही, जो पिछले साल अक्टूबर से 17.64 फीसदी ज्यादा है। इसी तरह प्ल्र्हीं श्दूदे घ्र्हीं ह्यूंदे मोटर इंडिया की बिक्री 56,605 यूनिट हो गई, जो पिछले साल से 13.9 फीसदी ज्यादा है। र्खीं श्दूदे किआ मोटर्स की थोक बिक्री 61.25 फीसदी बढ़कर 20,621 यूनिट रही।

Honda City हैचबैक से उठा पर्दा

धांसू लुक के साथ पावरफुल परफॉर्मेंस

नई दिल्ली। एजेंसी

प्ल्र्हीं ने प्ल्र्हीं एग्ब हैचबैक पेश कर दी है। इस कार को फिलहाल थाईलैंड में पेश किया गया है और वहीं इस कार की सेल सबसे पहले शुरू होगी। कंपनी ने सिटी का हैचबैक वर्जन काफी लंबे समय बाद पेश किया है। भारत में इस कार की लॉन्चिंग डेट तय नहीं की गई है।

होंडा सिटी सिडैन से कितनी अलग हैचबैक

होंडा सिटी हैचबैक सिडैन वाले प्लेटफॉर्म पर ही आधारित है। कार के लगभग सभी बॉडी पैनल्स सिडैन से ही लिए गए हैं। कार में स्पोर्टी लुक के लिए ब्लैक्ड आउट ग्रिल और डार्क क्रोम फिनिश दी गई है। इसके अलावा कार 16 इंच अलॉय वील्ज के साथ आती है। कार का इंटीरियर लगभग सिटी सिडैन की तरह ही है इसमें कुछ खास बदलाव देखने को नहीं मिलता।

सिटी हैचबैकः इंजन और पावर

इस कार में 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन दिया गया है जो 122hp पावर जेनेरेट करता है। इस इंजन के साथ एन्ऊ गियरबॉक्स दिया गया है। अलग अलग मार्केट में कंपनी इस कार को अलग इंजन के साथ पेश कर सकती है। वहीं कुछ वक्त पहले लॉन्च हुई होंडा सिटी सिडैन में 1.5L i-VTEC इंजन दिया गया है और यह 6 स्पीड मैन्युअल गियरबॉक्स और CVT दोनों ऑप्शन में उपलब्ध है। 6,000 rpm पर इंजन 121झ्ए का पावर और 4,300 rpm पर 145Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। पेट्रोल इंजन वाली नई होंडा सिटी का मैन्युअल वेरियंट 17.8 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देगा। कंपनी का दावा है कि CVT वेरियंट 18.4 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देगा।

निपटा लें जरूरी काम, कल हड़ताल पर जा रहे बैंक कर्मी, 21 हजार शाखाओं में लगेगा ताला

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना काल में भारतीय रिजर्व बैंक ग्राहकों को डिजिटल बैंकिंग के लिए प्रत्साहित कर रहा है, लेकिन तब भी अगर आपका बैंक से जुड़ा कोई भी काम शेष है, तो उसे आज ही पूरा कर लीजिए क्योंकि 26 नवंबर यानी कल केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने राष्ट्रव्यापी हड़ताल की घोषणा की है। हड़ताल का आह्वान केंद्र सरकार की श्रम-विरोधी नीतियों के खिलाफ किया गया है। इस हड़ताल में अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ ने भी शामिल होने का एलान किया है।

इसलिए हो रही हड़ताल

मामले में करीब चार लाख बैंक कर्मचारियों के प्रतिनिधि एआईबीए ने कहा कि, हालिया सत्र के दौरान लोकसभा में कारोबारी सुगमता के नाम पर 27 मौजूदा श्रम कानूनों की जगह लेने वाला नया श्रम कानून पारित किया गया है, जो पूरी तरह कॉरपोरेट के हित में है। इस प्रक्रिया में 75 फीसदी कर्मचारियों से नए प्रावधान के तहत कानूनी संरक्षण छीनकर उन्हें श्रम कानूनों के दायरे से बाहर कर दिया गया है।

नए कानूनों में इन श्रमिकों को किसी तरह का संरक्षण नहीं मिलेगा। वर्तमान सरकार आत्मनिर्भर भारत के नाम पर निजीकरण के अपने एजेंडे को बढ़ावा दे रही है और इसका सहारा लेकर अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निजीकरण कर रही है, जिसमें बैंक भी शामिल है।

हड़ताल में शामिल होंगे 30,000 कर्मचारी

एआईबीईए भारतीय स्टेट बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक को छोड़कर ज्यादातर बैंकों का प्रतिनिधित्व करता है। महाराष्ट्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, पुरानी पीढ़ी के निजी क्षेत्र के बैंकों और विदेशी बैंकों के करीब 30,000 कर्मचारी हड़ताल में शामिल होंगे।

बंद रहेंगी 21 हजार शाखाएं

देशभर में काम करने वाले करोड़ों कर्मचारियों व श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख दस श्रम संघों के साझा मंच की केंद्र सरकार की कथित जन विरोधी, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी नीतियों के खिलाफ हो रही देशव्यापी हड़ताल में बैंकिंग उद्योग भी शामिल होगा। मालूम हो कि देश में सभी राज्यों में एक या उससे ज्यादा ग्रामीण बैंक हैं। इनकी कुल संख्या 43 है। इसमें लगभग 21,000 शाखाओं के एक लाख अधिकारी और सभी तरह के कर्मचारी काम कर रहे हैं।

CVC का सख्त आदेश

केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों को इस महीने के अंत तक दाखिल करना होगा चल व अचल संत्तियों के विवरण

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय सतर्कता आयोग ने केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों को इस महीने के अंत तक अपनी चल व अचल संपत्तियों के विवरण जमा करने के लिए कहा। आधिकारिक आदेश के मुताबिक ऐसा न करने पर अधिकारी अनुशासनात्मक कार्रवाई के भागी बनेंगे। एन्ऊ ने अधिकारियों द्वारा इन विवरणों के दाखिल करने में होने वाली देरी पर गहरी चिंता जताई और 100 फीसदी कंप्लायंस के लिए 30 नवंबर की समय सीमा तय की। एन्ऊ ने सोमवार को जारी आदेश में कहा कि प्रॉपर्टी रिटर्न दाखिल नहीं करना संबंधित अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए काफी कारण है। मंत्रालय, विभागों या संगठनों के अधिकारियों द्वारा प्रॉपर्टी रिटर्न समय पर दाखिल करना कंडक्ट रूल्स की अनिवार्य जरूरतों में से एक है। कुछ चीफ विजिलेंस ऑफीशर्स (CVO) द्वारा जमा की गई रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए आयोग ने पाया कि अधिकतर संगठनों में कई अधिकारी ने पिछले साल यानी, 2019 के लिए भी एनुअल मूवेबल या इम्मूवेबल प्रॉपर्टी रिटर्न दाखिल नहीं किया है। CVC ने कहा कि अधिकतर संगठनों में रिटर्न फाइल करने की अंतिम तारीख 31 जनवरी है। 9 महीने बीत जाने के बाद भी संगठन इस मामले में 100 फीसदी कंप्लायंस हासिल नहीं कर पाए हैं। जो अधिकारी इम्मूवेबल या मूवेबल प्रॉपर्टी रिटर्न 30 नवंबर 2020 तक दाखिल नहीं करेंगे, उनके खिलाफ उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाएगी।

उत्पादों के आयात के लिए बनेंगे नए पैमाने खराब क्वालिटी प्रोडक्ट पर लगेगी पाबंदी

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में उत्पाद आयात किए जाने के मामले में सरकार ने नई सूची तैयार की है। जानकारी के मुताबिक करीब 150 उत्पादों के मानक दुरुस्त करने पर काम हो रहा है। वाणिज्य मंत्रालय से जुड़े सूत्रों के मुताबिक स्टील, ग्लास, रबर फार्मा, फर्नीचर, टेक्सटाइल और खाद के क्षेत्र से जुड़े उत्पादों की सूची तैयार कर ली गई है। जल्द ही इनके आयात से जुड़े मानक बदले जाएंगे ताकि विदेशों से घटिया माल देश में न आ सके।

मीडिया को जानकारी मिली है कि अब ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स की तरफ से इन उत्पादों के लिए नए मानक बना रहा है जिसे जल्द जारी किया जाएगा। उसी हिसाब से जांच के बाद ही विदेशों से उत्पाद भारत आ सकेंगे। इस कदम के बाद केंद्र सरकार की तरफ से करीब 375 ऐसे उत्पाद हो चुके हैं जिनके आयात के लिए मानक बदले जाने हैं। यह देश में होने वाले कुल आयात एक चौथाई माना जा रहा है।

केंद्र सरकार की तरफ से पिछले साल दिसंबर में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्डस को

चरणबद्ध तरीके से करीब साढ़े चार हजार उत्पादों के लिए पैमाने दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। शुरुआती चरण मे सरकार उन्हीं उत्पादों पर इसे लागू कर रही है जिनका हिस्सा आयात में ज्यादा है साथ ही देश में इनके उत्पादन की क्षमता भी पर्याप्त मात्रा में मौजूद है।

उपभोक्ता- घरेलू कंपनियां दोनों को नुकसान

सरकार की कोशिश है कि चीन और दूसरे देशों की तरफ से घटिया क्वालिटी के उत्पाद भारत में न आए। ऐसे उत्पादों के आने से पर्यावरण को नुकसान तो होता ही है इन्हें खरीदने वाले ग्राहक भी ठगे जाते हैं। यही नहीं खराब क्वालिटी के चलते उत्पाद सस्ता होता जिससे भारतीय मैन्युफैक्चरर्स का सामान नहीं बिक पाता है।

इन उत्पादों पर लागू हैं मानक

प्रधानमंत्री की तरफ से वोकल फॉल लोकल के ऐलान के बाद से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में इसे अहम कदम के तौर पर देखा जा रहा है। केंद्र सरकार पहले ही करीब 50 उत्पादों पर नए मानक लागू कर चुकी है। इनमें से खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, एयर कंडिशनर्स, साइकिल के पुर्जे, केमिकल, प्रेशर कुकर और इलेक्ट्रनिक केबल का आयात उसी के मुताबिक किया जा रहा है।

जीएस केलटैक्स इंडिया ने BS-6 प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो पेश किया

इंदौर। एजेंसी

दक्षिण कोरिया के जीएस केलटैक्स कॉर्पोरेशन (GS Caltex Corporation) के संपूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, जीएस केलटैक्स (GS Caltex) इंडिया ने भारतीय वाहन चालकों के लिए BS-6 सुसंगत उत्पादों की अपनी श्रेणी को प्रस्तुत किया है। किक्स नामक ब्रांड के तहत उपलब्ध, इंजन के ये नवीनतम ऑयल भारत सरकार द्वारा घोषित उत्सर्जन के नए BS-6 मानदंडों की कठोर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किए गए हैं। ये बेहतरीन इंजन ऑयल BS-6 vehicle - कारों और मोटरसाइकिलों में उत्कृष्ट सुरक्षा और बेहतर प्रदर्शन देने के लिए आधुनिक एडिटिव टेक्नोलॉजी पर आधारित हैं।

इस नए प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो के बारे में बताते हुए, श्री राजेश नागर, मैनेजिंग डाइरेक्टर एवं सी.इ.ओ, जीएस केलटैक्स इंडिया (GS Caltex India) , ने कहा, 'जीएस केलटैक्स (उए र्ंपू) आधुनिक वाहनों की ज़रूरतों को पूरा करने वाले उत्पादों को प्रस्तुत करने में सबसे आगे रहे हैं। ग्राहक को एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए नवीनतम मानदंडों के अनुसार अपने प्रॉडक्ट पोर्टफोलियो को बेहतर और नवीनतम बनाने की दिशा में काम करने का हमारा लगातार प्रयास रहा है। नई पीढ़ी की गाड़ियों के लिए कुछ नए उत्पादों के साथ नवीनीकृत BS-6 ल्युब्रिकेंट्स पेश करते हुए हमें बहुत खुशी होती है।' इन ऑयल्स को बैकवर्ड कम्पैटिबिलिटी का लाभ प्राप्त है, इसलिए इनका इस्तेमाल पुरानी पीढ़ी के BS 4/3 गाड़ियों में किया जा सकता है। इसके अलावा, जीएस केलटैक्स (GS Caltex) ने सवारी गाड़ियों के लिए अपने फुली सिंथेटिक आयल के पोर्टफोलियो, किक्स PAO1 और किक्स G1 सिंथेटिक पॉवर (Synthetic Power) जैसे नए योद्धाओं को भी पेश किया। PA01 आधुनिक

कारों के लिए PAO आधारित आधुनिकतम इंजन ऑयल है। इसे उत्कृष्ट प्रदर्शन और इंजन को संपूर्ण सुरक्षा प्रदान करने के लिए खास तौर पर बनाया गया है, जिससे इंजन की उम्र बढ़ती है और तेल की खपत कम होती है। इसके अधिक विस्कोसिटी इंडेक्स और कम तापमान पर पतला होने का गुण, तापमान की विस्तृत सीमा में कल-पुर्ज़ों की सुरक्षा में योगदान देता है।

आदित्य विक्रम बिरला कला शिखर पुरस्कार नसीरूद्दीन शाह को

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

संगीत कला केंद्र अवार्ड के इस बार के वर्चुअल समारोह में, संगीत कला केंद्र की प्रेसीडेंट श्रीमती राजश्री बिरला द्वारा, आदित्य विक्रम बिरला कलाशिखर पुरस्कार के लिए अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के नाम की घोषणा की गई। इसके साथ ही थियेटर क्षेत्र के दो उभरते हुए कलाकारों नील चौधरी तथा इरावती कार्णिक को आदित्य विक्रम कलाकिरण पुरस्कार प्रदान किये गए। इस खास अवसर पर श्री कुमार मंगलम बिरला, श्रीमती नीरजा बिरला तथा आदित्य बिरला परिवार के कई सदस्यों ने मौजूदगी दर्शाई। समारोह को सम्बोधित करते हुए श्रीमती राजश्री बिरला, प्रेसिडेंट, संगीत कला केंद्र, ने कहा-'आज हम संस्थापक अध्यक्ष, श्री आदित्य विक्रम बिरला की भावनाओं और परफॉर्मिंग आर्ट्स (प्रदर्शन कला) के प्रति उनके प्रेम का का सार्थक आनंद प्राप्त करते हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं, संगीत कला केंद्र का 'आदित्य विक्रम बिरला, कलाशिखर पुरस्कार' तथा 'कलाकिरण पुरस्कारों' की स्थापना 1996 में आदित्यजी की याद और सम्मानमें कई गई थी। इसके द्वारा कला के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूद अनुकरणीय प्रतिभाओं की पहचान को सामने लाने के लिए एक अनूठा और महत्वपूर्ण मार्ग तैयार किया जाता है।'

उन्होंने आगे कहा-'इस वर्ष के पुरस्कारों के लिए थियेटर केंद्रीय विषय वस्तु (थीम) थी। जैसे कि आपमें से कुछ लोग आदित्य जी के थियेटर के प्रति प्रेम और रुझान से वाकिफ होंगे ही और संगीत कला केंद्र के बैनर तले सम्पन्न दो खास नाटकों 'प्रकट भये नंदलाला तथा 'काया कल्प' में आपने उनके भीतर के अभिनेता को भी सामने आते देखा होगा। निजी स्तर पर, मैं और आदित्यजी दोनों ही नाटक और फिल्में देखना पसंद करते रहे। हमारे बहुत से रवीवारों की शामें इसी तरह बीता करते थे। हमारे पसंदीदा अभिनेताओं में श्री नसीरुद्दीन शाह भी शामिल थे जिनकी प्रस्तुतियों को हमने थियेटर और स्क्रीन दोनों में ही देखा। हमारे साथ आपका होना अद्भुत और उत्साहजनक है, नसीरुद्दीन जी।'

द डॉउ जोन्स सस्टेनेबिलिटी इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स, 2020 के

ट्रांसपोर्टेशन एवं ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 14वें स्थान पर रहा एपीएसईज़ेड

अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क

डॉउ जोन्स सस्टेनेबिलिटी इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के नवीनतम स्कोरकार्ड ने, जिसकी काफी अपेक्षा थी, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एपीएसईज़ेड) को अत्यधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक ट्रांसपोर्टेशन एवं ट्रांसपोर्टेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 14वें स्थान पर रखा है और भारत से इस क्षेत्र में शामिल होने वाली यह एकमात्र कंपनी है।

इस रैंकिंग से, डीजेएसआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स पर एपीएसईज़ेडकी उपस्थिति की शुरुआत हुई है। डीजेएसआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स दुनिया के सबसे अधिक लोकप्रिय सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स में से एक है। यह इंडेक्स दुनिया के 20 उभरते बाजारों में, सबसे बड़ी 800कंपनियों में से शीर्ष 10ज्कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है, तथा पर्यावरण, सामाजिक, आर्थिक और संचालन के दीर्घकालिक मानदंडों पर आधारित है। एपीएसईज़ेड के द्वारा दी गई सभी प्रतिक्रियाओं की पुष्टि, डीजेएसआई की कड़ी रेटिंग प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, आंतरिक प्रतिक्रियाओं और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ की गई और प्रदत्त जानकारी की सटीकता को सत्यापित करने के लिए एक स्वतंत्र तीसरे पक्ष द्वारा ऑडिट किया गया था। एपीएसईज़ेडको तीन मानदंडों के प्रत्येक एकल आयाम के शीर्ष 20स्थानों में रखा गया। कुल मिलाकर, इस वर्ष सिर्फ 11 भारतीय कंपनियों ने डीजेएसआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स में अपनी जगह बनायी थी।

इस अवसर परश्रीकरण अदाणी, मुख्य कार्यकारी अधिकारी और पूर्णकालिक निदेशक, एपीएसईज़ेड ने कहा कि 'हमें खुशी है कि डीजेएसआई इंडेक्स में हमने प्रवेश कर लिया है। दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एकमें, सबसे बड़े मल्टी-पोर्ट ऑपरेटर और लॉजिस्टिक्स कंपनी के रूप में, हम सामने आने वाली जटिलता को पहचानते हैं और इसलिए डीजेएसआई इंडेक्स में अपने प्रवेश के मामले में यह उच्च रैंकिंग हासिल करना, हमारे लिए एक सकारात्मक प्रेरणा की तरह है और साथ ही, हमारे निवेशकों, ग्राहकों और कर्मचारियों के प्रति हमारी जवाबदेही को मान्यता प्रदान करता है।

टाटा स्काय बिंज ने क्योरिओसिटी स्ट्रीम के साथ की साझेदारी

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

दुनिया की अग्रणी फैक्चुअल मीडिया कंपनियों में से एक क्योरिओसिटी स्ट्रीम और भारत के सबसे बड़े कंटेंट वितरण एवं पे टीवी प्लेटफॉर्म टाटा स्काय ने आज देश में टाटा स्काय के उपभोक्ताओं को हज़ारों घण्टे की वृतचित्र फिल्में एवं सीरीज़ से लाभान्वित करने के लिए एक नई साझेदारी की घोषणा की है।

टाटा स्काय के उपभोक्ता अब टाटा स्काय बिंज ओटीटी एग्रीगेटर सर्विस के माध्यम से क्योरिओसिटी स्ट्रीम के पुरस्कार विजेता सूचनाप्रद कंटेंट का लाभ उठा सकेंगे, जोकि टाटा स्काय बिंज प्लस स्मार्ट सेट टॉप बॉक्स और एमज़ॉन फायर टीवी स्टिक-टाटा स्काय एडीशन पर उपलब्ध है। क्योरिओसिटी स्ट्रीम टाटा स्काय डीटीएच के सभी सब्सक्राइबरों के लिए टेलीविज़न पर लीनियर सर्विस के रूप में उपलब्ध होगा, जो टाटा स्काय मोबाइल ऐप के माध्यम से लाईव और कैच-अप कंटेंट का लाभ उठा सकेंगे। टाटा स्काय के उपभोक्ता अब ईपीजी पर रु715 पर क्योरिओसिटी स्ट्रीम देख सकते हैं।

इस साझेदारी के तहत टाटा स्काय के उपभोक्ता एक्सक्लुज़िव ओरिजिनल्स, सीरीज़ एवं फीचर्स तथा लोकप्रिय टाईटल्स जैसे डीप ओशीन नैरेटेड बाय सर डेविड एटेनबोरोघ, ड्रैगन्स एण्ड डेमसेल्स नैरेटेड बाय सर डेविड एटेनबोरोघ, स्टीफन हॉकिंग्स फेवरेट प्लेसेज़, मुंबई रेलवे, एमेज़िंग डीनोवर्ल्ड और एज ऑफ बिग कैट्स आदि का लुत्फ़ उठा सकेंगे।

इस साझेदारी के बारे में बात करते हुए पल्लवी पुरी, चीफ़ कमर्शियल एण्ड कंटेंट ऑफिसर, टाटा स्काय ने कहा, ''क्योरिओसिटी स्ट्रीम को इसकी अनूठी पेशकश के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। हम अपने ओटीटी और लीनियर टीवी सब्सक्राइबरों के लिए यह सबसे आकर्षक फैक्चुअल कंटेंट लाना चाहते थे, विज्ञान, इतिहास, अंतरिक्ष एवं तकनीक जैसे विषयों पर आधारित इस कंटेंट के भारत में ढेरों प्रशंसक हैं। इस तरह की प्रतिष्ठित लाइब्रेरी हमारे कंटेंट कैटलॉग को नए आयाम देगी, यह साझेदारी करते हुए हमें बेहद गर्व का अनुभव हो रहा है।''

'डिस्कवरी चैनल के दूरदर्शी संस्थापक जॉन हेंडरिक्स द्वारा निर्मित क्योरिओसिटी स्ट्रीम अपने आप में अनूठा स्टोरीटैलिंग ब्राण्ड है, जो शानदार विजुअल्स के साथ दर्शकों को एक्सक्लुज़िव ओरिजिनल्स, सीरीज़ एवं फीचर्स का आनंद उठाने का मौका प्रदान करता है। टाटा स्काय के दर्शक अब क्योरिओसिटी स्ट्रीम की पुरस्कार विजेता प्रोग्रामिंग के साथ फैक्चुअल एंटरटेनमेन्ट की सम्पूर्ण श्रेणियों का लुत्फ़ उठा सकेंगे, जो अंतरिक्ष, कला, ज्वालामुखी, इतिहास, यात्रा, कारें, वास्तुकला, डायनासोर आदि विभिन्न विषयों को कवर करता है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित । संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।